सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
मूल्य ₹ 3/-
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्षः 8 ● अंकः 332 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 12 जनवरी, 2023

पुस्तकें वो साधन हैं जिनके माध्यम से हम विभिन्न संस्कृतियों के बीच पुल का निर्माण कर सकते हैं।
-सर्वपल्ली राधाकृष्णन

शक्तियों का दुरूपयोग कर रहे... 8 | ...तो केंद्र का एजेंडा चलाते हैं... 3 | सुक्खू सरकार की कैबिनेट का... 7

भ्रष्ट कुलपति हटाने को 4PM के संपादक ने गवर्नर को भेजा नोटिस

कहा-नहीं हटाए गए तो हाई कोर्ट में दायर होगी याचिका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कानपुर के छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय के महाभ्रष्ट कुलपति प्रो. विनय पाठक को हटाने के लिए 4 पीएम के संपादक संजय शर्मा ने मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल को नोटिस दिया है। जिस में कहा है कि अगर पाठक को तत्काल नहीं हटाया गया तो इस पर वह हाई कोर्ट का रुख करेंगे और याचिका दायर की जाएगी। संजय शर्मा ने गवर्नर को दिए अपने 11 पेज के नोटिस में अदालत के कथन का हवाला भी दिया है।

राज्यपाल को दिए नोटिस में 4 पीएम के संपादक संपादक शर्मा ने कहा है कि कुलपति प्रो. विनय पाठक गंभीर अपराधों से घिरे हैं। जिनका अकादमिक रिकॉर्ड भी जांच के दायरे में है। साहित्यक चोरी से संबंधित और भ्रष्टाचार के उजागर मामलों में राज्य सरकार का उनके प्रति रवैया ढुलमुल है। कहा-यह गंभीर चिंता का विषय है कि विचाराधीन प्राथमिकी को चुनौती देने वाली विनय पाठक की याचिका को हाई कोर्ट ने खारिज कर दिया और उसके बावजूद भी उनको कुलपति के पद से नहीं हटाया गया। इससे राज्य, शासन और सरकार की छवि धूमिल हो रही है। इनके खिलाफ महाभियोग लगाया जा रहा है। ऐसे में कुलपति पाठक को तत्काल हटाना ही उचित होगा।

To,

Ms Anandiben Patel,
Hon'ble the Governor of Uttar Pradesh,
Raj Bhawan, MG Marg
Lucknow 226027

Sub: Request for immediate removal of Mr Vinay Pathak from the position of Vice Chancellor of Chhatrapati Shahuji Maharaj University, Kanpur, on account of his serious misdemeanors which are under investigation by the Central Bureau of Investigation and connected issues.

Reference : Notification No. 2628(I)/6-P-12-2022-2(39)D/22 Dated 29.12.2022 by which the Government of Uttar Pradesh accorded its consent under section 6 of the DSPE Act for investigation of Case Crime No. 310/2022 u/s 386, 504,506,409,420,467,478,471,120BIPC and Section 7 of Prevention of Corruption Act, PS Indira Nagar Lucknow , which has been re registered by the CBI -AC-II New Delhi and is under the investigation of the CBI while Mr Vinay Pathak, the Prime Accused is still at large.

Respected Madam,

This refers to the captioned subject, which has infact been a contentious issue, impacting the goodwill , image and reputation of the State Government as well as the governance of our State, whereby, a self acclaimed academic, whose academic records are also under scanner and being impeached on account of plagiarism and related concerns which shall be detailed in the following paragraphs, it would be in the fitness of things to ensure an immediate removal of Mr Vinay Pathak from the position of the Vice Chancellor of Chhatrapati Shahuji Maharaj University, Kanpur, so that the matter which is under investigation by the premier investigating agency of the country is investigated thoroughly without any pressure , fear or favour. This move shall not only ensure the bonafides of the State Government, but shall also ensure sanctity and sanity of Higher Education, ensuring that the academic credentials of the students are not charred by a criminal signing their certificates and a University being administered, managed and run by a person who is admittedly running away from the might of Law.

A. Credentials of the applicant herein : the credentials of the applicant, his professional achievements and his efforts as a journalist to uplift the ailing humanity and to ensure dissemination of true and correct news to the masses and to ensure accountability of public functionaries are detailed in the attached **Annexure No.1** to the instant representation, which will prove the credibility and integrity of the applicant herein who has been absolutely disturbed and bemused with the lackadaisical attitude of the State Government which is sitting idle and not even able to take a decision on the removal of an individual whose conduct has been engaging the attention of the academics, media, political and bureaucratic circles of the country, tarnishing the image and reputation of our State.

B. Backdrop of the Issue : It is a matter of serious concern that despite the dismissal of a Writ Petition filed by Vinay Pathak challenging the FIR in question, and in the teeth of the far reaching observations of the Hon'ble High Court which are detailed hereunder, the State Government is yet to decide on his removal from the position of the Vice Chancellor of the Chhatrapati Shahuji Maharaj University, Kanpur, which is raising eyebrow of every individual who is aware of the issue , and despite the State Government being run by a Chief Minister who apparently has an unimpeachable integrity? The public confidence is being shaken with each day of his continuance as the Vice Chancellor of Chhatrapati Shahuji Maharaj University, Kanpur, who look at the entire exercise as a sham, and an eyewash which will , a majority feels that in the end, result in shielding the criminal and victimize the informant.

C. The First Information Report : According to the **FIR**, an IT firm **Digitex Technologies India Private Limited 3, Rajnigandha Apartment, Gokhle Marg, Lucknow** (through its Managing Director **David Mario Denis**) had been providing exam-related services to Dr Bhimrao Ambedkar University, which had illegally kept the payments for 2020-21 and 202122 pending. In February 2022, Mr David Mario Denis contacted Vinay Pathak, who was officiating VC of the university at the time, for payment.

Vinay Pathak demanded 15 per cent of the total as commission for clearing the bills, the FIR says. Denis alleged that Vinay Pathak told him he (Pathak) would have to pay a part of the commission to higher authorities.

Vinay Pathak allegedly boasted that he had a major role in the appointment of VCs to state-run universities in Uttar Pradesh, apparently to impress David. According to the FIR, Vinay Pathak and an aide Ajay Mishra collected Rs 1.41 crore from the company in three instalments as commission to clear the pending dues and

एसटीएफ के तीन नोटिस पर भी नहीं पहुंचे विनय

दर्ज एफआईआर में आरोप लगाया गया कि जब डेविड ने विनय पाठक को आगे कमीशन नहीं दिया तो आगरा विवि में प्रिंटिंग का काम अपने करीबी अजय मिश्रा की कंपनी को दे दिया था। डेविड डेनिस की एफआईआर पर जांच करते हुए यूपी एसटीएफ और लखनऊ पुलिस ने सबसे पहले विनय पाठक के करीबी अजय मिश्रा को गिरफ्तार किया था। अजय मिश्रा से पूछताछ के बाद दिल्ली के व्यापारी अजय जैन और फिर संतोष सिंह को गिरफ्तार किया। विनय पाठक का बयान दर्ज करने के लिए यूपीएसडीएम तीन बार नोटिस भेज चुकी है, लेकिन यूपी एसटीएफ के नोटिस के बावजूद विनय पाठक हाजिर नहीं हुए।

बिल भुगतान पर वसूला था 41 लाख का कमीशन

गौरतलब है कि बीते 29 अक्टूबर को लखनऊ के इंदिरा नगर थाने में डिजिटेक्स टेक्नोलॉजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के एमडी डेविड डेनिस ने प्रोफेसर विनय पाठक और उनके करीबी अजय मिश्रा पर ठेके में कमीशन वसूली, वसूली के लिए बंधक बनाने समेत कई धाराओं में केस दर्ज कराया था। आरोप लगाया गया कि साल 2019-20 और 2020-21 में डेविड डेनिस की कंपनी ने आगरा विवि की प्री और पोस्ट परीक्षा में प्रिंटिंग का काम किया था, इसके बिल के भुगतान के लिए ही विनय पाठक कमीशन की मांग कर रहे थे, आगरा विवि के कुलपति के चार्ज पर रहते हुए विनय पाठक ने डेविड डेनिस के बिल को मंजूर करने के एवज में अजय मिश्रा के जरिए तीन बार में एक करोड़ 41 लाख रुपए वसूले थे।

सीबीआई ने पाठक के खिलाफ शुरू की जांच

लखनऊ। सीबीआई मुख्यालय की एसी-2 शाखा ने कानपुर विश्वविद्यालय के भ्रष्ट कुलपति विनय पाठक के खिलाफ जांच शुरू कर दी। सीबीआई टीम ने गुरुवार को गोमतीनगर स्थित एसटीएफ मुख्यालय पहुंचकर जांच शुरू करने से जुड़ी तमाम औपचारिकताएं पूरी की। सीबीआई ने एसटीएफ के अफसरों से मिलकर केस से जुड़ी अहम जानकारी भी जुटाई है। विदित है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने बीते 30 दिसंबर को सीबीआई से जांच कराने के लिए सिफारिश की थी, जिस पर कार्मिक मंत्रालय ने मंजूरी दी थी। वहीं डेविड डेनिस ने हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच में सीबीआई जांच का विरोध करते हुए याचिका डाली थी। याचिका में कहा था कि बिना वादी की मंजूरी के सरकार ने सीबीआई जांच की सिफारिश की है।

"कुलपति प्रो. विनय पाठक गंभीर अपराधों से घिरे हैं। जिनका अकादमिक रिकॉर्ड भी जांच के दायरे में है।"

नियुक्ति पर महाराष्ट्र सरकार में नाराजगी

हेगड़े बोले- शिंदे और फणनवीस में सब ठीक

» शिंदे गुट का आरोप- बीजेपी ने एमएलसी चुनाव में भी बिना विचार-विमर्श तीन उम्मीदवारों के नाम तय किए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में कुछ दिनों पहले आईपीएस अधिकारी देवन भारती को जिस तरह पुलिस का स्पेशल सीपी नियुक्ति दी गई थी उसको लेकर सीएम एकनाथ शिंदे की नाराजगी अभी दूर नहीं हुई थी कि अब आगामी जून में होने वाले एमएलसी चुनाव को लेकर शिंदे और बीजेपी में ठन गई है। हालांकि इन बातों को एकनाथ शिंदे गुट के प्रवक्ता और पूर्व विधायक कृष्णा हेगड़े ने खारिज कर दिया है।

उन्होंने ने कहा कि हमारी पार्टी और बीजेपी के बीच अनबन की खबरें गलत और बेबुनियाद हैं। जिन लोगों के नाम बीजेपी ने तय किए हैं। उनमें से ज्यादातर लोग पहले से ही वहां के एमएलसी हैं। जहां तक देवेन भारती की नियुक्ति का सवाल है तो इस पर भी हमारी तरफ से कोई नाराजगी नहीं जताई गई है। शिंदे-फडणवीस सरकार मिलजुलकर महाराष्ट्र के हित में काम कर रही हैं। सूत्रों की माने तो इस चुनाव को लेकर दोनों के बीच में प्रत्याशियों को लेकर कुछ खटपपट हो गया। पिछले साल 30 जून को महाराष्ट्र में एकनाथ शिंद ने बीजेपी के साथ मिलकर राज्य में नई सरकार का गठन किया था। तब से लेकर अब तक शिंदे और फडणवीस इस सरकार को चला रहे हैं। हालांकि, बीते कुछ दिनों में शिंदे और बीजेपी के बीच अनबन की भी

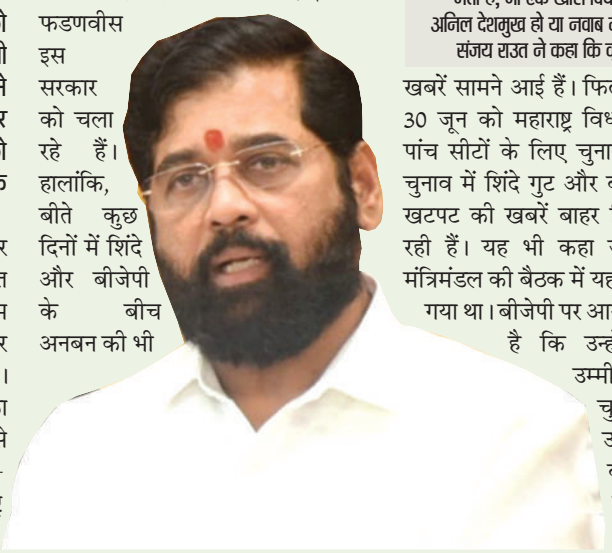

खबरें सामने आई हैं। फिलहाल, आगामी 30 जून को महाराष्ट्र विधान परिषद की पांच सीटों के लिए चुनाव होने हैं। इस चुनाव में शिंदे गुट और बीजेपी के बीच खटपट की खबरें बाहर निकल कर आ रही हैं। यह भी कहा जा रहा है कि मंत्रिमंडल की बैठक में यह मुद्दा भी उठाया गया था। बीजेपी पर आरोप लगाया गया है कि उन्होंने अपनी 3 उम्मीदवारों को चुनावी मैदान में उतारा है। बावजूद इसके शिंदे गुट से कोई विचार-विमर्श नहीं किया गया। अब इसी बात पर शिंदे गुट की तरफ से अपनी नाराजगी जाहिर की गई है। इसके अलावा कुछ दिनों पहले आईपीएस अधिकारी देवेन भारती को जिस तरह से मुंबई पुलिस में स्पेशल सीपी की नियुक्ति दी गई है। उससे भी एकनाथ शिंदे के नाराज होने की खबरें खबर है। महाराष्ट्र बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने विधान परिषद चुनाव के लिए तीन उम्मीदवारों के नाम जाहिर किए हैं। जिनमें कोंकण विधान परिषद के लिए ज्ञानेश्वर म्हात्रे, विदर्भ पश्चिम से रंजीत पाटिल और मराठवाड़ा से शिक्षक कोटे से किरण पाटील को उम्मीदवारी दी गई है।

मुश्रीफ के खिलाफ कार्रवाई बदले की राजनीति : राउत

मुंबई। शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के नेता और सांसद संजय राउत ने महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और एनसीपी विधायक हसन मुश्रीफ के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई को लेकर प्रतिक्रिया दी है। संजय राउत ने ईडी की कार्रवाई को बदले की राजनीति करार दिया है। सांसद संजय राउत ने कहा कि यह कार्रवाई बदले की राजनीति से प्रेरित है, लेकिन हसन मुश्रीफ इससे बाहर निकल आएंगे। उन्होंने कहा कि हसन मुश्रीफ विपक्ष के नेता हैं, जो एक खास विचारधारा के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे हैं। संजय राउत ने आगे कहा कि चाहे मैं हूं या अनिल देशमुख हो या नवाब मलिक, जिन्हें सभी अलग-अलग मामलों में ईडी द्वारा गिरफ्तार किया गया था। संजय राउत ने कहा कि कुछ भाजपा नेताओं ने हसन मुश्रीफ को सलाखों के पीछे डालने की बात की थी।

कांग्रेस ने छोड़ा अजमल का साथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। असम में कांग्रेस पार्टी ने बड़ा फैसला लेते हुए बदरुद्दीन अजमल की पार्टी ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट से नाता तोड़ लिया है। कांग्रेस और अजमल की पार्टी ने पिछला विधानसभा चुनाव साथ मिलकर लड़ा था। कांग्रेस मीडिया प्रभारी जयराम रमेश ने कहा कि अजमल का अब यूपीए से कोई लेना-देना नहीं है, वो बीजेपी के माउथपीस हैं। अजमल ने असम विधानसभा चुनाव के बाद हिमंत बिस्वा सरमा के साथ सांठ-गांठ की थी।

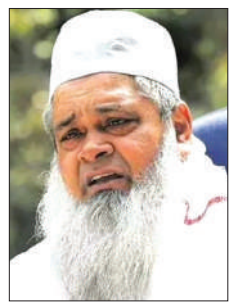

कांग्रेस ने बदरुद्दीन अजमल पर राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के साथ मिलीभगत का आरोप लगाया। कांग्रेस की तरफ से कहा गया है कि अजमल भाजपा के साथ काम कर रहे हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि बदरुद्दीन अजमल ने असम में कांग्रेस नेतृत्व के खिलाफ अस्वीकार्य टिप्पणी की है। जयराम रमेश ने कहा कि ये सच है कि कांग्रेस और ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट ने पिछला विधानसभा चुनाव सहयोगी के रूप में लड़ा था।

भागवत के बयान पर कपिल सिब्बल का तंज

इंसान को भी इंसान ही रहना चाहिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत के बयान हिंदुस्तान को हिंदुस्तान ही रहना चाहिए पर पूर्व कांग्रेस नेता कपिल सिब्बल ने तंज कसा है। उन्होंने ट्वीट कर कहा है कि यह बात सही है कि हिंदुस्तान को हिंदुस्तान ही रहना चाहिए लेकिन इंसान को भी इंसान ही रहना चाहिए। सिब्बल की यह टिप्पणी मोहन भागवत के उस बयान के बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि मुसलमानों को भारत में कोई खतरा नहीं है।

इस दौरान उन्होंने कहा था कि हिंदुस्तान को हिंदुस्तान ही रहना चाहिए। आरएसएस के मुखपत्र ऑर्गनाइजर और पांचजन्य को दिए एक साक्षात्कार में भागवत ने कहा था कि सीधी सी बात है हिंदुस्तान, हिंदुस्तान ही रहना चाहिए। आज भारत में रह रहे मुसलमानों को कोई नुकसान नहीं... इस्लाम को कोई खतरा नहीं है। लेकिन मुसलमानों

को वर्चस्व की अपनी गलत बयानबाजी छोड़ देनी चाहिए। हम महान जाति के हैं हमने इस देश पर शासन किया है, और फिर से शासन करेंगे। सिर्फ हमारा रास्ता सही है, बाकी सब गलत हैं। हम अलग हैं, इसलिए हम ऐसे ही रहेंगे। हम एक साथ नहीं रह सकते, मुसलमानों को इस धारणा को छोड़ देना चाहिए। यहां रहने वाले चाहे हिंदू हों या कम्युनिस्ट, सबको इस भाव को छोड़ देना चाहिए।

पंजाब में राहुल गांधी से मिले पायलट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। सचिन पायलट ने पंजाब में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में प्रसाद पैदल मार्च कर हिस्सा लिया। पायलट के इस कदम को राजस्थान की सियासत में गंभीरता से लिया जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि पायलट ने इस मार्च के बहाने राजस्थान के राजनीतिक हालात के बारे में राहुल गांधी से काफी देर गुप्तगू की।

यह मुलाकात ऐसे वक्त हुई है, जब इसी महीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का राजस्थान में दौरा बन रहा है। मोदी भीलवाड़ा के आसींद में भगवान देवनारायण जयंती के समारोह में हिस्सा लेने आ रहे हैं। भगवान देवनारायण में गुर्जर समाज की बहुत भारी आस्था और विश्वास है। बीजेपी पीएम मोदी के दौरे के जरिए गुर्जर समाज को राजस्थान में चुनावी लिहाज से साधना चाह रही है। दूसरी ओर राजस्थान में गुर्जर कांग्रेस पार्टी से इसलिए नाराज बताए जा रहे हैं, क्योंकि पायलट को

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में साथ का सियासी संदेश

सीएम के पद पर वह कांग्रेस सरकार में नहीं देख सके। राहुल ने पायलट को क्या आश्वासन दिया है, यह फिलहाल स्पष्ट नहीं है। लेकिन इस मुलाकात से राजनीतिक हलकों में हलचल तेज हो गई है। हाल ही में जयपुर में कांग्रेस वॉर रूम में हुई हाथ से हाथ जोड़ो अभियान की तैयारी बैठक में सचिन पायलट समेत कुछ नेता नहीं पहुंचे थे। तब प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने नेताओं के बैठक में गैर मौजूद रहने पर नाराजगी भी जाहिर की थी। साथ ही कहा था कि जो बैठक में हिस्सा नहीं लेगा, यह माना जाएगा कि वह राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में साथ नहीं है। लेकिन पायलट ने अब राहुल की यात्रा में ही पहुंचकर साफ मैसेज दे दिया है कि वह राहुल के साथ हैं।

मायावती के जन्मदिन से पहले गाना-हैप्पी बर्थ डे...

» गाना रिलीज, कैलाश खेर ने दी है आवाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कभी सत्ता में रहते हुए अपने जन्मदिन पार्टियों की वजह से सुर्खियों में रहने वाली बसपा प्रमुख मायावती अपना जन्मदिन 15 जनवरी को मनाएंगी। हालांकि इसबार समारोह सादा ही रहेगा। जन्मदिन भले ही सादगी की तरह से मनाई जाए परंतु पूर्व मुख्यमंत्री मायावती का जन्मदिन इसबार भी सुर्खियों में आ गया है। ऐसा इसलिए क्योंकि उनकी पार्टी ने अपने नेता के जन्मदिन की तैयारी अभी से कर दी है जबकि जन्मदिन में मनाने में 2-3 दिन का समय बचा है।

इसी सिलसिले में बुधवार को जन्मदिन से पहले बर्थ-डे वाला गाना रिलीज किया गया है। जिसे आवाज दी कैलाश खेर ने जबकि गीत को दिल्ली और सेंट्रल यूनिट ने तैयार किया है। इस गीत में मायावती की तारीफ की गई। इस गीत में उन्हें देश व दुनिया का बढ़ा नेता बताया गया है।

...तो केंद्र का एजेंडा चलाते हैं महामहिम!

गहराता जा रहा राज्यपालों व सरकारों में विवाद

» ताजा मामला : तमिलनाडु में राज्यपाल आरएन रवि व दिल्ली में एलजी वीके सक्सेना से नाराज हैं सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तमिलनाडु। तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि व स्टालिन सरकार के बीच राज्य के नाम को लेकर विवाद गहरा गया है। राज्य व राज्यपाल के बीच ये सबसे ताजा मामला है। ऐसा नहीं है कि ये विवाद पहली बार हो रहा है इससे पहले भी कई राज्यों में ये हो चुका है। ज्यादातर ये विवाद केंद्र में दूसरी पार्टी की सरकार व राज्य में दूसरे दल की सरकार की वजह से पैदा होते हैं। गैर-बीजेपी शासित राज्यों में सरकारों और राज्यपालों के बीच टकराव की स्थिति कोई नई बात नहीं है, बहुत समय से एक दूसरे के कामकाज में रोड़े अटकाए जाने का आरोप लगाया जाता रहा है।

तमिलनाडु, केरल, तेलंगाना, दिल्ली और पश्चिम बंगाल, इन सभी राज्यों में गैर-बीजेपी सरकार है और एक बात की समानता है, वो बात है राज्य सरकार का राज्यपाल के साथ विवाद। बीते कुछ समय से पांचों राज्यों में राज्यपाल बनाम राज्य सरकार देखने को मिल रहा है, सभी राज्यों में सरकारों और राज्यपालों के बीच बयानबाजी चलती रहती है और एक दूसरे के कामकाज में रोड़े अटकाए जाने का आरोप लगाया जाता है, हाल ही में गैर-भाजपा शासित तीन दक्षिणी राज्यों में राज्यपालों और सत्तारूढ़ सरकार के बीच टकराव काफी बढ़ गया। तमिलनाडु ने आरएन रवि को वापस बुलाने की मांग की, केरल ने राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति पद पर राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान की जगह शिक्षाविदों को नियुक्त करने के लिए अध्यादेश मार्ग प्रस्तावित किया और तमिलिसाई सुंदरराजन ने संदेह जताया कि तेलंगाना में उनका फोन टैप किया जा रहा है।

तमिलनाडु में राजनीति उफान पर है। समस्या राज्यपाल के अभिभाषण को लेकर है। उनके अभिभाषण पर इतना हंगामा हुआ कि राज्यपाल को भाषण अधूरा छोड़कर ही विधानसभा से जाना पड़ा। सवाल यह उठता है कि राज्यपाल ने ऐसा क्या कह दिया जो हंगामा इतना बढ़ गया। दरअसल, राज्यपाल ने तमिलनाडु राज्य का नाम ही बदलने को कह दिया। उन्होंने कहा इस राज्य का नाम तमिलनाडु की बजाय तमिझगम होना चाहिए। सत्तारूढ़ दल और कांग्रेस ने इस पर आपत्ति की। कहा कि राज्यपाल यहाँ भाजपा का एजेंडा चलाना चाहते हैं। ऐसा हम होने नहीं देंगे। तमिलनाडु में जब राज्यपाल का अभिभाषण चल रहा था, तभी सत्ताधारी दल के विधायक नारेबाजी करते हुए आसन के समीप पहुंच गए। तमिलनाडु में जब राज्यपाल का अभिभाषण चल रहा था, तभी सत्ताधारी दल के विधायक नारेबाजी करते हुए आसन के समीप पहुंच गए। इसके बाद तो राज्यपाल पर आरोपों की झड़ी लग गई। राजनीतिक दलों ने कहा कि राजभवन से भाजपा का एजेंडा चलाया जा रहा है। राज्यपाल कहते हैं कि पिछले पचास सालों में द्रविड दलों ने यहाँ के लोगों के साथ धोखा किया है। हम राज्यपाल से कहना चाहते हैं कि वे भाजपा के दूसरे प्रदेशाध्यक्ष के रूप में काम करना बंद कर दें। वैसे भी यह नगालैंड नहीं, प्राउड तमिलनाडु है। राज्यपाल आरएन रवि के पास नगालैंड का भी प्रभार है। इसलिए इन दलों ने कहा कि नगालैंड वाली चतुराई यहाँ नहीं चलेगी। दरअसल, राज्यपाल जैसे संवैधानिक पद पर जब तक राजनीतिक नियुक्तियां या रिटायर्ड राजनेताओं को पदस्थ किया जाता रहेगा, झगड़े इसी तरह होते रहेंगे और महामहिम की इसी तरह छीछालेदर होती रहेगी। पहले इस पद पर किसी विषय विशेषज्ञ या वरिष्ठ विद्वान की नियुक्ति होती थी, लेकिन अब केंद्र में जिसकी सरकार हो, प्राय: उसी दल के किसी बुजुर्ग व्यक्ति को नियुक्त किया जाने लगा है, समस्या इसीलिए बढ़ गई है। राज्यपाल पद पर पहले कांग्रेस ने भी खूब राजनीतिक नियुक्तियाँ कीं, लेकिन तब समस्या इसलिए नहीं आती थी क्योंकि ज़्यादातर राज्यों में कांग्रेस की ही सरकार होती थी और उसी के राज्यपाल। अब ऐसा नहीं है। कई राज्यों में सरकार दूसरे दलों की है और राज्यपालों की नियुक्यिाँ दूसरे दलों ने की हैं। समस्या इसीलिए है। सरकार और राज्यपाल की विचारधारा समान नहीं होती, इसलिए विवाद होते रहते हैं। विवाद इसलिए भी होते हैं क्योंकि राज्यपाल केंद्र सरकार की विचारधारा चलाते हैं और दूसरे दल की राज्य सरकार इस विचारधारा से सहमत नहीं होती। तो फिर इलाज क्या है? इलाज एक ही है- राज्यपाल जैसे पदों पर निष्पक्ष व्यक्ति की नियुक्ति । जैसे राष्ट्रपति पद पर डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की नियुक्ति की गई थी। ऐसा नहीं है कि देश में निष्पक्ष लोगों की कमी हो। मिलते हैं, लेकिन इसके लिए इच्छाशक्ति होनी चाहिए, जिसकी फ़िलहाल तो कमी साफ- साफ दिखाई दे रही है।

गवर्नर के अधिकार

भारतीय संविधान 1949 में अनुच्छेद 157 कहता है कि कोई भी व्यक्ति राज्यपाल के रूप में नियुक्ति के लिए तब तक पात्र नहीं होगा जब तक कि वह भारत का नागरिक न हो और पैंतीस वर्ष की आयु पूरी न कर चुका हो। राज्यपाल राज्य का मुख्य कार्यकारी प्रमुख भी होता है, जो संबंधित राज्य के मंत्रिपरिषद की सलाह के अनुसार अपना कार्य करता है। इसके अलावा, राज्यपाल की दोहरी भूमिका होती है, क्योंकि वह केंद्र सरकार के एजेंट के रूप में भी कार्य करता है। अनुच्छेद 153 के तहत प्रत्येक राज्य का राज्यपाल होगा। राज्य की कार्यपालिका शक्ति राज्यपाल में निहित होगी और इसका प्रयोग वह सीधे या अपने अधीनस्थ अधिकारियों के माध्यम से करेगा। राज्य के राज्यपाल के पास कार्यकारी, विधायी, वित्तीय और न्यायिक शक्तियां होंगी, लेकिन उसके पास राजनयिक, सैन्य या आपातकालीन शक्तियां नहीं हैं जो भारत के राष्ट्रपति के पास हैं।

> “राजनीतिक दलों ने कहा कि राजभवन से भाजपा का एजेंडा चलाया जा रहा है। राज्यपाल कहते हैं कि पिछले पचास सालों में द्रविड दलों ने यहाँ के लोगों के साथ धोखा किया है। हम राज्यपाल से कहना चाहते हैं कि वे भाजपा के दूसरे प्रदेशाध्यक्ष के रूप में काम करना बंद कर दें। वैसे भी यह नगालैंड नहीं, प्राउड तमिलनाडु है।”

तेलंगाना

तेलंगाना की राज्यपाल ने तेलंगाना राष्ट्र समिति शासित तेलंगाना में अलोकतांत्रिक स्थिति का दावा किया था। तमिलिसाई सुंदरराजन ने संदेह जताया कि तेलंगाना में उनका फोन टैप किया जा रहा थे, उनके इस बयान पर इस पर विवाद गहराता गया था। तेलंगाना सीपीआई के वरिष्ठ नेता के नारायण ने तो यहां तक कह दिया कि हमारे देश के लिए गवर्नर सिस्टम उपयोगी ही नहीं और सभी पीएम मोदी से आह्वान किया कि सभी राज्यपालों को तुरंत हटा देना चाहिए।

पश्चिम बंगाल

पश्चिम बंगाल के तत्कालीन राज्यपाल जगदीप धनखड़ और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बीच संबंध कुछ अच्छे नहीं थे। दोनों ही एक दूसरे की सार्वजनिक रूप से आलोचना कर चुके हैं, ये विवाद शुरू हुआ कोरोना के कारण लॉकडाउन के बाद, जब राज्यपाल ने नियमित रूप से राज्य प्रशासन और पुलिस को लॉकडाउन को प्रभावी ढंग से लागू करने में उनकी विफलताओं के लिए खींच लिया। 15 अप्रैल, 2020 को उन्होंने ट्वीट किया, कोरोनावायरस को दूर करने के लिए लॉकडाउन प्रोटोकॉल को पूरी तरह से लागू करना होगा। इसके बाद, सितंबर 2020 में विवाद ने एक नया मोड़ ले लिया, क्योंकि सीएम ने राज्यपाल को नौ पन्नों का एक पत्र लिखा, जिसमें तत्कालीन पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) वीरेंद्र द्वारा बंगाल में कानून और व्यवस्था को संभालने पर सवाल उठाने के लिए उनकी आलोचना की गई थी। धनखड़ ने राज्य के पुलिस प्रमुख पर कानून-व्यवस्था की स्थिति के बारे में उनके सवालों का दो-पंक्ति जवाब भेजने के लिए फटकार लगाई और उन्हें तलब किया।

केरल

केरल में सत्तारूढ़ एलडीएफ का पूर्व में राज्यपाल खान के साथ कई बार टकराव हो चुका है। एलडीएफ ने कहा कि उसने राज्य के विश्वविद्यालयों में राज्यपाल की जगह प्रतिष्ठित शिक्षाविदों को कुलाधिपति बनाने के लिएअध्यादेश लाने का फैसला किया था, कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) दोनों ने इस फैसले का विरोध किया था। मुख्यमंत्री कार्यालय के बयान के अनुसार मंत्रिमंडल की बैठक में फैसला किया गया था कि खान से अध्यादेश को मंजूरी देने की सिफारिश की जाएगी जो विश्वविद्यालय कानूनों में कुलापधिपति की नियुक्ति से संबंधित धारा को हटा देगा, इस धारा में कहा गया है कि राज्यपाल राज्य के 14 विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति भी होंगे।

दिल्ली

अभी हाल में एमसीडी चुनाव को लेकर दिल्ली सरकार व उपराज्यपाल में तकरार देखने को मिली। इससे पहले के भी वहां पर ये विवाद होते रहे हैं। दिल्ली में भी गैर-बीजेपी सरकार है, यहां उप-राज्यपाल तो बदल रहे हैं, लेकिन सरकार के साथ विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है, नजीब जंग के बाद अब केजरीवाल का विवाद वीके सक्सेना के साथ है। अरविंद केजरीवाल का आरोप है कि एलजी उनकी सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं की स्वीकृति में रोड़ा अटका रहे हैं तो वहीं एलजी का कहना है कि सरकार जनता के हित में काम नहीं कर रही है। एलजी इसको लेकर कई लेटर भी लिख चुके हैं। एलजी ये भी कह चुके हैं कि सीएम की तरह ही बाकी मंत्री भी उनकी बात नहीं सुनते हैं। अब हालात यह हैं कि एलजी ने दिल्ली सरकार की कई योजनाओं के लिए जांच समितियों का गठन कर दिया है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

हवाई सफर में शर्मनाक हरकतें

पिछले दो सप्ताह में कई भारतीय उड़ानों में मुसाफिरों के गलत आचरण और विमान संचालक दल की लापरवाही के मामले सामने आए। ताजा घटनाओं में दिल्ली और पटना यात्रा प्रमुख है, जिनमें से एक में विमान की यात्रा के दौरान शंकर मिश्रा नामक यात्री ने नशे की हालत में बुजुर्ग महिला सहयात्री के ऊपर पेशाब करने जैसा घिनौना कृत्य किया। जबकि दूसरी में पटना की यात्रा में दो यात्री नशे की हालत में पाए गए। दोनों ही घटना के आरोपी नशा करके विमान में चढ़े थे और हवाई अड्डे पर उनकी सांस जांची गई तो उनके मदिरापान करने का तथ्य सामने आया था। उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई। मगर सवाल है कि जब वे नशा करके या कोई नशीला पदार्थ साथ लेकर हवाई अड्डे पर पहुंचे, तब वहां के कर्मचारी इस तथ्य की जांच करने से कैसे चूक गए। इसके अलावा, पिछले दिनों दो घटनाएं हुईं, जिनमें मुसाफिरों ने ऐसी अशोभनीय हरकतें कीं, जो व्यवस्था पर सवाल के साथ ही शर्मसार कर देने वाली हैं। न्यूयार्क से दिल्ली आ रहे एअर इंडिया के विमान में एक यात्री ने एक बुजुर्ग महिला सहयात्री से नशे की हालत में अभद्र व्यवहार ही नहीं किया बल्कि उनकेऊपर पेशाब तक कर दिया और वह हवाई अड्डे से आसानी से निकल भी गया। फिर दिल्ली से गोवा जा रहे गो फर्स्ट के विमान में एक विदेशी सैलानी ने एयर होस्टेस से छेड़छाड़ करने की कोशिश की। एक विचित्र घटना यह सामने आई कि बंगलुरु हवाई अड्डे पर विमानन कंपनी गो फर्स्ट के एक विमान ने करीब पचास यात्रियों के सवार होने से पहले ही दिल्ली के लिए उड़ान भर लिया। इस लापरवाही के लिए अब भले ही कंपनी ने यात्रियों से माफी मांगी है, लेकिन इससे हवाई यात्रा में पसर रही अव्यवस्था का ही पता चलता है। हालांकि इन घटनाओं के मद्देनजर डीजीसीए ने नोटिस जारी किया है।

दरअसल, सवाल है कि इस तरह की घटनाओं की नौबत ही क्यों आ रही है। इसकी पहली वजह तो यही है कि प्रतिस्पर्धी कारोबार के चलते तमाम निजी विमानन कंपनियां मुसाफिरों को आकर्षित करने का प्रयास खूब करती हैं और इसमें किराए को लेकर सबसे अधिक बदलाव किए जाते हैं। फिर जिस तरह रेलों और सड़क मार्ग से सफर करने में समय काफी लगता है और उनका किराया भी अब कम नहीं रह गया है, तब से बहुत सारे लोग हवाई जहाज से चलना सुविधाजनक मानने लगे हैं। अब यह तथ्य छिपा नहीं है कि हवाई सेवाओं पर यात्रियों का दबाव तो बढ़ा है, मगर उस अनुपात में विमानन कंपनियों ने अपने संसाधन और सुविधाओं में विस्तार नहीं किया है। फिर, विमान के भीतर सुव्यवस्था बनाने की जिम्मेदारी चालक दल की होती है। अगर कोई मुसाफिर अभद्र व्यवहार करता है, तो जाहिर है, यह चालक दल की भी कमी है। कारोबारी होड़ ठीक बात है, मगर मुसाफिरों की सुरक्षा और सुविधा का ध्यान न रखा जाए, तो सवाल उठने लाजिमी हैं।

सवाल है कि जब वे नशा करके या कोई नशीला पदार्थ साथ लेकर हवाई अड्डे पर पहुंचे, तब वहां के कर्मचारी इस तथ्य की जांच करने से कैसे चूक गए। इसके अलावा, पिछले दिनों दो घटनाएं हुईं, जिनमें मुसाफिरों ने ऐसी अशोभनीय हरकतें कीं, जो व्यवस्था पर सवाल के साथ ही शर्मसार कर देने वाली हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

जी-20 में दिखेगा भारत का स्वस्थ विश्व विजन

मनसुख मंडाविया

'सर्वे भवंतु सुखिन: सर्वे संतु निरामया, सर्वे भद्राणि पश्यंतु मा कश्चिद् दुख भागभवेत।' यानी सभी प्रसन्न रहें, सभी स्वस्थ रहें, सबका भला हो, किसी को भी कोई दु:ख ना रहे। जी-20 में हमारा नीति-वाक्य भी यही है 'वन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर' जो 'वसुधैव कुटुंबकम' की हमारी अवधारणा से निकला है। तिरुवनंतपुरम में इसी महीने से शुरू हो रही जी-20 हेल्थ वर्किंग ग्रुप की बैठकों में भारत इसी मंत्र के साथ एक वैश्विक स्वास्थ्य संरचना के प्रति अपने विजन और कमिटमेंट को पूरी दुनिया के सामने रखेगा। कोविड-19 महामारी ने सभी देशों के स्वास्थ्य ढांचे को हिला कर रख दिया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के जी-20 की अध्यक्षता के मूल उद्देश्य को 'उपचार, सद्भाव और आशा' के रूप में परिभाषित किया है। उन्होंने वैश्वीकरण को और अधिक मानव-केंद्रित करने का विजन रखा है जो सार्वभौमिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देता है। कोविड आपदा से सीख लेते हुए जब इंडोनेशिया जी-20 की अध्यक्षता कर रहा था तब उसने वैश्विक स्वास्थ्य संबंधी ढांचे को मजबूत करने का आह्वान किया था। भारत के संदर्भ में बात करें तो हमारे लिए वैश्विक स्वास्थ्य संबंधी ढांचा तीन प्राथमिकताओं पर टिका है। पहला, रोग के प्रकोप को रोकने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर क्षमताओं को मजबूत करना। विश्व स्वास्थ्य संगठन, विश्व बैंक, जी-7, एक्सेस टू कोविड-19 टूल्स एक्सीलेटर जैसे कई संगठनों के साथ हम प्रयास कर रहे हैं कि मौजूदा संसाधनों को समन्वित करके व्यवस्था में व्याप्त खामियों को पहचानें और उन्हें ठीक करें। हमारा 'वन हेल्थ' उद्देश्य मनुष्य, जीव और पर्यावरण के बीच की कड़ी के रूप में कार्य करेगा। जी-20 इंडिया हेल्थ ट्रैक और वैश्विक स्वास्थ्य आपातकालीन ढांचे को मजबूत करने के साथ ही, आपदा रोधी तौर-तरीकों को इसमें समाहित करने की दिशा में काम करेगा।

भविष्य की ऐसी चुनौतियों को देखते हुए, सऊदी अरब, इटली और इंडोनेशियाई प्रेसीडेंसी ने महामारी की रोकथाम, तैयारी और प्रतिक्रिया के लिए Financial Intermediary Fund बनाया है। दूसरी प्राथमिकता फार्मास्युटिकल क्षेत्र में सहयोग मजबूत कर गुणवत्तापूर्ण टीकों, चिकित्सा और निदान तक सबकी समान पहुंच बनाना है। भारतीय

जेनरिक दवाइयों की पूरी दुनिया में अलग अहमियत है। वित्त वर्ष 2022 में भारत ने 200 देशों को 24.47 बिलियन डॉलर के फार्मा उत्पादों की आपूर्ति की। पूरी दुनिया ने जीवन रक्षक टीकों की असमानता को दूर करने में भारत की भूमिका को सराहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'वैक्सीन मैत्री' के जरिए भारत ने सबसे कठिन समय में 100 से अधिक देशों को कोविड वैक्सीन दी। भारत कई निम्न और मध्यम आय वाले देशों को सस्ती HIV दवाएं और एंटी-टीबी जेनरिक दवाओं की आपूर्ति करता है। हमारी पूरी कोशिश है कि इनके लिए क्लिनिकल टेस्ट, अनुसंधान, विकास सहायता और किफायती चिकित्सा उपायों के लिए एक अनुकूल ढांचा तैयार हो। फार्मा सेक्टर को मजबूत करने के लिए सरकार ने प्रॉडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव स्कीम शुरू की है। तीसरी प्राथमिकता सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज के लिए डिजिटल स्वास्थ्य सुविधाओं के विकास और नवाचार को बढ़ावा देना है। कोविड-19 से मिले अनुभवों ने हमें यह दिखाया है कि कैसे डिजिटल तकनीक दूरस्थ क्षेत्रों के डेटा कलेक्शन, चिकित्सा समाधान और आभासी देखभाल में मदद कर सकती हैं। वैक्सीन लगवाने के लिए लाखों नागरिकों ने कोविन ऐप का उपयोग किया, दूरस्थ क्षेत्रों में टेली-परामर्श जीवन रक्षक साबित हुई। भारत सरकार की मुफ्त टेली मेडिसिन सेवा ई-संजीवनी ने आठ करोड़ टेली-परामर्श दिए हैं। इस प्राथमिकता के तहत हम ग्लोबल डिजिटल पब्लिक हेल्थ गुड्स- टेली-मेडिसिन, टेली-रेडियोलॉजी, टेलीओप्थाल्मी और यहां तक कि एक ई-आईसीयू को बढ़ावा देने की योजना बना रहे हैं।

आशा है कि जी-20 सदस्यों के सामूहिक प्रयासों से एक ऐसा ईकोसिस्टम बनेगा जो निम्न-मध्यम आय वाले देशों को एक समान स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाओं का मंच प्रदान करेगा। कोविड महामारी के कठिन समय के दौरान, भारत ने अपने सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम के जरिए पूरे विश्व में अपना लोहा मनवाया है। इसी अनुभव को लेकर चलते हुए जी-20 अध्यक्षता ने हमें दुनिया के सामने एक 'स्वस्थ विश्व' के नए विजन को प्रस्तुत करने का मंच प्रदान किया है।

प्रवासियों के असली मुद्दों की हो बात

पुष्परंजन

'नहीं है शक्ति, तो मत बुलाओ।' इंदौर में 9 जनवरी, 2023 को चंदन टीका लगाये एक एनआरआई पत्रकारों के कैमरे के आगे अपमान से आहत होकर आपा खो बैठे थे। प्रवासी भारतीयों के उस महाकुंभ का वीडियो क्लिप देखेंगे, अव्यवस्था से आजिज लोगों की ऐसी ही आवाज सुनने को मिलेगी। लंदन के उपमहापौर को बाहर ही रोक दिया। आधे घंटे मिन्नतों के बाद अंदर आने दिया गया। महाकुंभ में आये एक दूसरे एनआरआई, जगदीश फोबयानी झल्लाये से बोले, 'टाइम से पहले पहुंचने के बाद भी हमें अंदर नहीं जाने दिया गया। आर्गेनाइजर बोल रहे हैं, ओवर कैपसिटी है।' नाइजीरिया से आए देवेश कुमार मिश्रा ने कहा कि हम 8:30 बजे आ गए थे। अंदर जाने नहीं दिया गया। जूली जैन अमेरिका से आई थीं, भड़क गई ऐसी उपेक्षा से, 'अतिथि देवो भव: ऐसे ही होता है क्या?'

लेकिन इन बातों से बेपरवाह प्रधानमंत्री मोदी अपने भाषण में बोल रहे थे, 'प्रवासी, भारत के राष्ट्रदूत हैं।' इंदौर में आहूत 17वें भारतीय प्रवासी दिवस के लिए जिस हॉल में समारोह होना था, उसकी क्षमता थी 2200 गेस्ट की। सरकार की तरफ से जानकारी देते हुए वरिष्ठ अधिकारी एपी सिंह का कहना था कि कुल 66 देशों से 2705 प्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं। काश, आयोजक क्षमता के अनुरूप ही मेहमान बुलाते। पीएम मोदी के संबोधन से पहले ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर के ग्रैंड हॉल में एंट्री के वास्ते जो 'राष्ट्रदूत' धक्के खा रहे थे, वो अच्छा अनुभव लेकर तो नहीं गये होंगे। इनमें से चंद चोटिल, बीमार हो चुके एनआरआई अस्पताल में भर्ती किये गये। सीएम शिवराज सिंह चौहान को मंच से बोलना ही पड़ा, 'माफी चाहता हूं, हॉल छोटा पड़ गया, लेकिन दिल में जगह की कमी नहीं है।' वर्ष 2023 नवंबर में मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव हैं। उससे पहले मेघालय, त्रिपुरा, नगालैंड, कर्नाटक, तेलंगाना में चुनाव होने हैं। सरकार को लगा कि मध्यप्रदेश में महाकुंभ कराते हैं, ताकि चुनाव में बताया जा सके कि बाहर से कितना निवेश हो रहा है, और युवाओं को रोजगार के कितने अवसर मिल रहे हैं।

प्रवासी भारतीय दिवस भारत सरकार द्वारा प्रतिवर्ष 9 जनवरी को मनाया जाता है। इसी दिन महात्मा गांधी दक्षिण अफ्रीका से स्वदेश वापस आये थे। प्रवासी भारतीय दिवस मनाने की परिकल्पना लक्ष्मीमल सिंघवी ने की थी। 20 साल पहले, तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की देखरेख में पहला प्रवासी भारतीय दिवस का आयोजन 8-9 जनवरी, 2003 को नयी दिल्ली में हुआ था। लेकिन क्या इसका मकसद, भारत में भावी चुनावी राजनीति से जोड़ना था? तब तो ऐसा बिल्कुल नहीं लगा था। 2003 के उद्देश्यों को देखेंगे, तो साफ लगेगा कि मकसद 110 देशों में प्रवासन में रह रहे भारतीयों का नेटवर्क बनाना, और उनकी समस्याओं से रूबरू होना था। वर्ष 2003 से 2023 तब 17 भारतीय प्रवासी सम्मेलनों की सूची आप देखें, आठ आयोजन दिल्ली में हुए। कोई पूछे कि केवल खाड़ी के देशों में भेजे वर्कर्स में दिल्ली की हिस्सेदारी कितनी रही है? कई राज्यों को मिलाकर विदेश भेजे वर्कर्स के 12 प्रतिशत हिस्से में दिल्ली-एनसीआर, कुछ अन्य राज्यों समेत मध्य प्रदेश भी है। सरकारें बदलती गईं, मगर आप प्रवासी सम्मेलनों की सूची देखेंगे, साफ लगेगा कि इन्हें समानता के आधार पर राज्यवार आयोजित नहीं किया गया।

जो वर्कर्स देश से बाहर गये, आप विदेश मंत्रालय द्वारा जारी 2018 की सूची देखिये, सर्वाधिक 26 फीसद यूपी से, 18 प्रतिशत बिहार से, तमिलनाडु-आंध्र से नौ-नौ प्रतिशत, आठ फीसद केरल, छह प्रतिशत पंजाब से, और चार-चार फीसद बंगाल और राजस्थान का शेयर रहा है। प्रश्न यह है कि बिहार में कभी भी भारतीय प्रवासी सम्मेलन क्यों नहीं हुआ? यूपी में केवल एक बार 2019 में प्रवासी सम्मेलन हुआ। वो भी लखनऊ में नहीं, बनारस में। वजह, प्रधानमंत्री मोदी का चुनाव क्षेत्र होना ही मानिये। सरकार के स्तर पर 2002 में लागू पर्सन ऑफ इंडियन ओरिजिन (पीआईओ) को ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया (ओसीआई) में विलय किये जाने का झोल लगभग सुलझा दिया लगता है। बांग्लादेश व पाकिस्तान को छोड़कर विश्वभर में फैले 32 करोड़ भारतीय प्रवासी 2023 से 'ओसीआई' माने जाएंगे, ऐसा बताया गया है। ओसीआई कार्डधारी वोट नहीं दे सकते, बाकी सारी सुविधाएं आम भारतीयों की तरह उठा सकेंगे।

हर साल 25 लाख भारतीय देश छोड़कर विदेश बस रहे हैं, यह संभवत: दुनिया में सर्वाधिक है। आप केवल इनसे प्राप्त विदेशी मुद्रा की परिकल्पना करते हैं, समस्याओं पर विमर्श कम करते हैं। विदेश बसने वाले सभी सुखी और संपन्न हैं, इसका अनुमान प्रवासी भारतीय सम्मेलनों में पधारने वाले वीआईपी अतिथियों को देखकर नहीं लगा लेना चाहिए। 2021 में कोविड काल में 16वें वर्चुअल प्रवासी सम्मेलन को छोड़ दें, तो अब तक हुए सभी प्रवासी भारतीय सम्मेलनों में भारतीय वर्कर्स का जत्था किसी ने नहीं देखा होगा, जो गल्फ या पूर्वी एशियाई देशों में मजदूरी करते हैं। हम चाहें, प्रवासी सम्मेलनों में शिवसागर रामगुलाम, अनिरुद्ध जगन्नाथ, ऋषि सुनक, अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हेरिस, कनाडा में प्रतिरक्षा मंत्री रह चुके हरजीत सज्जन, गुयाना, सूरीनाम, मारीशस, आयरलैंड और पुर्तगाल जैसे देशों में भारतीय मूल के अन्य शासनाध्यक्षों को लेकर गर्व करते रहें, मगर एक सच जरूर जानना चाहिए कि ये सभी अपने-अपने सद्प्रयासों से शिखर तक पहुंचे, इसमें हमारी सरकारों की भूमिका नहीं रही है।

बच्चों को प्रतिक्रिया न दें

बच्चा अच्छा बर्ताव करे तो उसकी तारीफ करिए लेकिन जब वह जिद करे या कोई गलत बात करें तो प्रतिक्रिया न दें। चिल्लाने या डांटने से ज्यादा आपकी चुप्पी उनके लिए सजा का काम कर सकती है। उनके जबर्दस्ती न करें और न ही जिद में बच्चे से अपनी बात मनवाएं। बल्कि जब बच्चा जिद करे तो उसे कोई प्रतिक्रिया न दें। जब उनका गुस्सा कम हो जाए तो शांत तरीके से समझाएं कि क्या गलत है और क्या सही।

अपने बच्चों की गलत आदतों में इन तरीकों से लाएं सुधार

बच्चों से हर कोई प्यार करता है। बच्चा जब छोटा होता है तो माता-पिता से लेकर परिवार के अन्य सदस्य उसे स्नेह देते हैं। उसकी जरूरतों का ख्याल रखते हैं। बच्चे की फरमाइश पूरी करने की कोशिश करते हैं। बच्चे से लाड़ प्यार करने में कोई गलत बात नहीं लेकिन कुछ लोग जरूरत से ज्यादा बच्चे को लाड़ प्यार करते हैं। इसे अधिक पैंपर करना या सिर चढ़ा लेना भी कह सकते हैं, खासकर अगर बच्चा इकलौता होता है। ऐसा करने पर बच्चे के बिगड़ने की संभावना बढ़ जाती है। अभिभावक और परिवार के सदस्यों के व्यवहार का असर बच्चे के स्वभाव पर पड़ता है। बच्चा अधिक लाड प्यार में बिगड़ने लगता है और जिद्दी या गुस्सैल बनने लगता है। जिद करना उम्र का तकाजा भी हो सकता है लेकिन जब बच्चा हद से ज्यादा जिद करने लगे तो अभिभावकों को सतर्क हो जाना चाहिए। बच्चे की जिद उम्र के साथ बढ़ने पर भविष्य में उसे समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए अगर आपका बच्चा बहुत अधिक जिद करे तो उसके इस बर्ताव को सुधारने के लिए कुछ टिप्स अपना सकते हैं।

बच्चे से न करें बहस

जिद्दी बच्चों की इच्छाशक्ति बहुत मजबूत होती है। उनकी बात न माने जाने पर वह बहस करने लगते हैं। अभिभावक अगर उनकी जिद और बहस का जवाब उसी तरह से देंगे तो बच्चा ज्यादा जिद करेगा। उसकी जिद पूरी न होने पर वह आपकी हर बात को दरकिनार करने लगेगा। इसलिए जिद्दी बच्चे के सामने खुद जिद न करें, बल्कि उनकी बात धैर्य से सुनें। बीच में उन्हें टोंके नहीं। आपका धैर्य उनके गुस्से और जिद को कुछ नरम कर सकता है।

बच्चे को विकल्प दें

बच्चे को विकल्प दें। बच्चे को ऑर्डर न दें, क्योंकि कम उम्र का बच्चा कुछ करने के लिए कहे जाने पर कई सारे सवाल करता है। वहीं अक्सर बच्चे वो काम करते हैं तो उन्हें करने के लिए मना किया जाता है। इसलिए बच्चों को विकल्प दें।

बच्चे के लिए नियम बनाएं

भले ही आप बच्चे से कितना ही लाड प्यार करते हों लेकिन उनके बेहतर व्यवहार के लिए कुछ नियम कायदे तय होने चाहिए। आपको कुछ नियम बनाने की जरूरत है। उन्हें समझाएं कि नियम तोड़ने पर उनके लिए ही नुकसान होगा।

हंसना मना है

गर्लफ्रेंड: मेरी मम्मी को तुम बहुत पसंद आये हो, पप्पू: चल पगली, कुछ भी हो मैं शादी तुमसे ही करूंगा.. आंटी से कहना वो मुझे भूल जाएं।

गम पी कर मुस्कुराना ही जिन्दगी है, एक लड़की अगर धोका दे दे तो सब कुछ भूल कर, दूसरी को पटाना ही जिन्दगी है।

नजरे आज भी उस हरामखोर को ढूंढ रही हैं, जिसने कहा था बुक के बीच में मोर पंख रखने से विद्या आती है।

सन: पापा, सर्कस देखने चले? पापा: मैं बीजी हूं। सन: पापा, उसमे एक लड़की बिना कपड़ों के शेर पे सवारी करती है.. पापा: बहूत जिद्दी हो, चलो, बहुत दिन हो गए, शेर नहीं देखा।

ठोकर खाकर गुणगुणाना ही जिन्दगी है,

कहानी — शेर और बिल्ली

नील नामक जंगल में एक होशियार बिल्ली रहती थी। हर कोई उससे ज्ञान प्राप्त करना चाहता था। सारे जानवर उसे बिल्ली मौसी कहते थे। कुछ जानवर उस बिल्ली मौसी से पढ़ने के लिए भी जाते थे। एक दिन बिल्ली मौसी के पास एक शेर आया। उसने कहा, मुझे भी आपसे शिक्षा चाहिए। मैं आपका छात्र बनकर आपसे सबकुछ सीखना चाहता हूं, कुछ देर सोचने के बाद बिल्ली बोली, ठीक है, तुम कल से पढ़ने के लिए आ जाना। अगले दिन से रोजाना शेर बिल्ली मौसी के यहां पढ़ने के लिए आने लगा। एक महीने बाद बिल्ली ने शेर से कहा, अब तुम मुझसे सब कुछ सीख चुके हो। तुम्हें कल से पढ़ाई के लिए आने की जरूरत नहीं है। शेर ने पूछा, आप सच कह रही हैं? मुझे सब कुछ आ गया है, क्या? बिल्ली ने कहा हां, शेर ने दहाड़ते हुए कहा, चलो फिर क्यों ना आज इस विद्या को तुम पर ही आजमा कर देख लिया जाए। डर के मारे सहमी हुई बिल्ली मौसी ने कहा, बेवकूफ, मैं तुम्हारी गुरु हूं। मैंने तुम्हें शिक्षा दी है, शेर ने बिल्ली की एक न सुनी और उसपर झपट पड़ा। अपनी जान बचाने के लिए बिल्ली दौड़ते-दौड़ते वह पेड़ पर चढ़ गई। शेर ने कहा, तुमने मुझे पेड़ पर चढ़ना नहीं सिखाया। पेड़ पर चढ़ने के बाद राहत की सांस लेते हुए बिल्ली ने जवाब दिया, मुझे तुम पर पहले दिन से ही विश्वास नहीं था। मैं जानती थी कि तुम मुझसे सीखने के लिए तो आए हो, लेकिन मेरे ही जीवन के लिए आफत बन सकते हो। अगर मैंने तुम्हें यह ज्ञान भी दिया होता, तो तुम आज मुझे मार डालते। बिल्ली बोली, तुम आज के बाद मेरे सामने कभी मत आना। ऐसा शिष्य जो अपने गुरु का सम्मान नहीं कर सकता, वो किसी क़ाबिल नहीं। बिल्ली मौसी की बात सुनकर शेर को भी गुस्सा आया, लेकिन वो कुछ नहीं कर सकता था, क्योंकि बिल्ली पेड़ पर थी। गुस्से को मन में लेकर शेर वहां से दहाड़ते हुए चला गया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

खुशनुमा जिन्दगी के लिए अपने अड़ियल रवैये को दरकिनार करें, क्योंकि इससे सिर्फ समय की बर्बादी ही होती है। दूसरों को प्रभावित करने के लिए जरूरत से ज्यादा खर्चा न करें।

वृषभ

आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। दाम्पत्य संबंध मधुर होंगे। रोजमर्रा के कामों से आपको फायदा होगा। कारोबार में पैसा लगाने के बारे में सोच सकते हैं।

मिथुन

आज नए कार्य की शुरुआत कर सकते हैं, सफलता मिलेगी। घर में खुशी का माहौल रहेगा, युवकों को सलाह है कि किसी से न उलझें नहीं तो रिश्तों में खटास आ सकती है।

कर्क

आज आपका दिन व्यस्तता में बीत सकता है। आप नई जिम्मेदारी लेने में संकोच कर सकते हैं। आपकी जिम्मेदारियां भी बढ़ सकती है। कुछ खास काम आपके अटक सकते हैं।

सिंह

आज किस्मत आपके साथ रहने वाली है। कार्यक्षेत्र में आज कुछ नया करने की कोशिश करें। काम धीरे-धीरे ही सही लेकिन पूरा जरुर हो जायेगा।

कन्या

भावनाओं का ज्वार तेजी पर होगा, आपका व्यवहार आस-पास के लोगों को भ्रमित करेगा अगर आप तुरन्त परिणाम चाहेंगे तो निराशा आपको घेर सकती है।

तुला

आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। सभी काम आपके मन-मुताबिक पूरे हो सकते हैं। जरूरत से ज्यादा एकाग्रता के कारण आपको थोड़ी परेशानी हो सकती है।

वृश्चिक

विद्यार्थी, कलाकार और खिलाड़ियों के लिए आज का दिन अच्छा है। पिता तथा सरकार की ओर से लाभ होगा। मनोबल भी दृढ़ रहेगा। इसलिए कार्य की सफलता में कोई बाधा नहीं आएगी।

धनु

प्रगति को बाधित कर रही आपके चारों तरफ छायी धुंध से बाहर निकलने का समय आ गया है। नया आर्थिक करार अंतिम रूप लेगा और धन आपकी तरफ आएगा।

मकर

आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। कोई बड़ा काम करने से आपको बचना चाहिए। आप थोड़े सुस्त हो सकते हैं। संतान के साथ कुछ विवाद होने की संभावना बन रही है।

कुम्भ

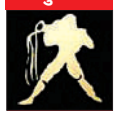

आज आपका दिन आराम से बीतेगा। कोई खास काम या चुनौती नहीं होगी। काम के सिलसिले में कहीं जाना भी पड़ सकता है। जितना हो सके, सकारात्मक रहें।

मीन

आज के दिन किए गए दान-पुण्य के काम आपको मानसिक शान्ति और सुकून देंगे। बैंक से जुड़े लेन-देन में काफी सावधानी बरतने की जरूरत है।

बॉलीवुड | शख्सियत

करोड़ों में खेलती हैं 'तुम बिन' फेम संदली

संदली सिन्हा इंडस्ट्री की उन अभिनेत्रियों में से एक हैं, जिन्होंने बहुत ही कम समय में अपनी अलग पहचान बनाई थी। साल 2001 में 'तुम बिन' फिल्म आई थी। इस फिल्म से ही अभिनेत्री संदली सिन्हा रातोंरात स्टार बन गईं थीं। उनकी क्यूट स्माइल और मासूम चेहरे ने हर किसी का दिल जीत लिया था, लेकिन फिर वह अभिनय की चकाचौंध दुनिया से अचानक गायब हो गईं। 'तुम बिन' संदली सिन्हा की पहली फिल्म थी और अपनी पहली ही फिल्म में उन्होंने ऐसा जादू बिखेरा कि लोग उनकी अदाकारी के कायल हो गए। फिल्म हिट साबित हुई और कहा जाने लगा कि इंडस्ट्री में संदली सिन्हा अपनी अदाकारी का सिक्का जमा लेंगी, लेकिन ऐसा हो न सका। अचानक ही संदली इस इंडस्ट्री से गायब हो गईं। कल संदली सिन्हा ने अपना 50वां जन्मदिन मनाया। जब फिल्मों में संदली सिन्हा का जादू नहीं चला तो उन्होंने साल 2005 में बिजनेसमैन किरण सालस्कर से शादी कर ली। शादी के बाद संदली सिन्हा ने करीब सात से आठ साल का ब्रेक लिया और फिर से इंडस्ट्री में वापसी की, लेकिन इस बार बॉलीवुड नहीं, बल्कि साउथ इंडस्ट्री में उन्होंने अपना हाथ आजमाया। आलम यह रहा कि यहां भी संदली सिन्हा की फिल्में कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाईं। जब फिल्मों में अपना करिश्मा दिखाने में संदली असफल रहीं तो उन्होंने अपने पति किरण सालस्कर के बिजनेस में हाथ बांटना शुरू किया। संदली अपने पति का करोड़ों का बिजनेस को संभालने लगीं।

अवॉर्ड मिलते ही भावुक हुए कीरावानी

कैलिफोर्निया के बेवर्ली हिल्स में 80वें गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड्स का शानदार आयोजन किया गया। इस खास शाम में दुनियाभर के कई दिग्गज सितारों ने शिरकत कर इवेंट की रौनक बढ़ाई। इस साल साउथ के डायरेक्टर एसएस राजामौली की फिल्म आरआरआर भी गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड्स पहुंची। फिल्म को दो अलग-अलग कैटेगरी में नॉमिनेशन मिला और फिल्म ने एक कैटेगरी में अवॉर्ड जीतकर इतिहास रच दिया।

गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड 2023 से विजेताओं की लिस्ट सामने आते ही आरआरआर के डायरेक्टर राजामौली और उनकी टीम सुर्खियों में छाई हुई है। आरआरआर को बेस्ट नॉन इंग्लिश लैंग्वेज फिल्म और नाटू-नाटू के लिए बेस्ट ओरिजिनल सॉन्ग की कैटेगरी में नॉमिनेशन मिला था। आरआरआर बेस्ट नॉन इंग्लिश लैंग्वेज फिल्म अवॉर्ड जीतने से चूक गई, लेकिन नाटू-नाटू ने बेस्ट ओरिजिनल सॉन्ग का अवॉर्ड अपने नाम किया। गाने के डायरेक्टर एमएम कीरावानी ने टीम की तरफ से अवॉर्ड रिसीव किया। अवॉर्ड मिलते ही भावुक हुए कीरावानी एमएम कीरावानी को जैसे ही गोल्डन ग्लोब का अवॉर्ड दिया गया वो भावुक हो गए और अपनी थैंक्यू स्पीच बोलने से पहले कुछ देर चुपचाप मंच पर खड़े रहे। खुद को संभालते हुए उन्होंने दिल जीतने वाली बात कही और अवॉर्ड का सारा श्रेय राजामौली और अपनी टीम को दे दिया। इस दौरान उन्होंने नाटू-नाटू के कोरियोग्राफर से लेकर प्रोग्राम हेड तक, सभी का नाम लिया। एमएम कीरावानी ने स्पीच के दौरान सबसे पहले अपनी पत्नी एमएम श्रीवल्ली का नाम लिया और कहा कि वो यह खुशी पत्नी के साथ शेयर करना चाहते हैं, इसके बाद उन्होंने लेजेंड्री डायरेक्टर एसएस राजामौली का नाम लिया और बेहिसाब यकीन व साथ के लिए शुक्रिया किया।

नाटू- नाटू की टीम में शामिल हैं ये आर्टिस्ट

प्रेम रक्षित- कोरियोग्राफर
राहुल सिप्लीगंज, काल भैरव- गायक
चन्द्रबोस- नाटू-नाटू के लेखक
एनटीआर, राम चरण- एक्टर्स
सालू सिद्धार्थ, जीवन बाबू- मिक्सिंग एंड प्रोग्रामिंग

बॉक्स ऑफिस पर जमी रही अवतार-2

इस सप्ताह बॉक्स ऑफिस पर होल्डओवर रिलीज का बोलबाला रहा क्योंकि इस सप्ताह बहुत कम फिल्में नई रिलीज हुईं। आमतौर पर इस हफ्ते बॉक्स ऑफिस पर मंदी छाई रही, जो क्रिसमस के अंत के आसपास शुरू होने वाली लंबी छुट्टी के बाद सामान्य हो जाती है और नए साल में चली जाती है। इस हफ्ते सबसे अच्छे नतीजे वेड में देखने को मिले, जो पहले वीकेंड से बढ़ा है। इसके साथ ही पहले से रिलीज फिल्मों में अवतार 2, दृश्यम 2 और सर्कस का हाल तो एक-दूसरे से बिल्कुल अलग है। जेम्स कैमरून की अवतार : द वे ऑफ वॉटर बॉक्स ऑफिस पर सामान्य से बड़ी गिरावट के बाद आखिरकार इस हफ्ते थम गई। फिल्म ने वीकेंड में वृद्धि देखी और बॉक्स ऑफिस पर कोई नई रिलीज नहीं होने का फायदा उठाया। अवतार-द वे ऑफ वॉटर ने एवेंजर्स-एंडगेम को पीछे छोड़ते हुए भारत की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हॉलीवुड फिल्म बन गई। इससे पहले दो ब्लॉकबस्टर टाइटैनिक और अवतार, भारत में अब तक की सबसे अधिक कमाई करने वाली हॉलीवुड फिल्मों के रूप में उभरीं। फिल्म लगातार बॉक्स ऑफिस पर बिलियन क्लब की ओर बढ़ रही है। दृश्यम-2, उंचाई, भेड़िया और सर्कस जैसी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर नई रिलीज की कमी से फायदे में रहीं और कमाई जारी रखा। दृश्यम-2 ने अपने आठवें हफ्ते में भी अच्छी कमाई की, जो एक बेहतरीन आंकड़ा है। फिल्म जल्द ही डिजिटली रिलीज होगी लेकिन सिनेमाघरों में इसका काम पूरा हो चुका है।

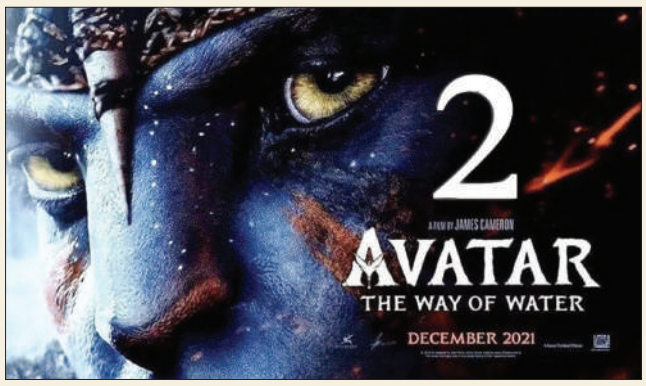

अजब-गजब | पति की दीर्घायु के लिए कुलदेवी के मंदिर में रख देती हैं अपना श्रृंगार

पांच महीने के लिए विधवा बनती हैं सुहागिनें

हमारे देश में अलग अलग जगहों पर कई तरह की धार्मिक परंपराएं और रीति-रिवाज देखने को मिलते हैं। कुछ परंपराएं इतनी अजीबोगरीब हैं, जिनके बारे में जानकर लोग आश्चर्य में पड़ जाते हैं। अलग-अलग समुदाय के लोग किसी न किसी ऐसी परंपरा का पालन जरूर करते हैं जो देखने और समझने में अजीब होती है। आज आपको हम ऐसे ही एक अनोखे रिवाज के बारे में बताएंगे, जिसके बारे में जानकर आप हैरान रह जाएंगे। भारत में किसी भी शादीशुदा महिला के लिए सुहाग की निशानियां जैसे मंगलसूत्र, मांग में सिंदूर बहुत जरूरी माना जाता है। लेकिन एक समुदाय ऐसा भी है, जहां महिलाएं सुहागन होते हुए भी हर साल विधवा बन जाती हैं।

हिंदू धर्म में शादी के बाद एक सुहागिन स्त्री को सिंदूर, बिंदी, महावर, मेहंदी जैसी चीजों से श्रृंगार करना जरूरी माना जाता है। माना जाता है कि स्त्रियां अपने पति की लंबी उम्र के लिए ही सोलह श्रृंगार करती है और उनके लिए व्रत रखती हैं लेकिन एक समुदाय ऐसा भी है जहां की महिलाएं पति के जीवित होते हुए भी हर साल कुछ समय के लिए विधवाओं की तरह रहती हैं। दरअसल, हम बात कर रहे हैं गछवाहा समुदाय की। इस समुदाय की महिलाएं लंबे समय से इस रिवाज का पालन करती आ रही हैं।

इस समुदाय की महिलाएं पति के जिंदा होते हुए भी हर साल 5 महीने के लिए विधवाओं की तरह रहती हैं। यहां की महिलाएं अपनी पति की लंबी उम्र की कामना करते हुए हर साल विधवाओं की तरह रहती हैं। गछवाहा समुदाय के लोग पूर्वी उत्तर प्रदेश में रहते हैं।

दरअसल, इस समुदाय के आदमी पांच महीने तक पेड़ों से ताड़ी उतारने का काम करते हैं। इसी दौरान महिलाएं विधवाओं की तरह जिंदगी जीती हैं। ये वही महिलाएं होती हैं, जिनके पति ताड़ी उतारने जाते हैं। इस वक्त महिलाएं न तो सिंदूर लगाएंगी और न ही माथे पर बिंदी लगाती हैं। इसके अलावा वह किसी तरह का कोई श्रृंगार भी नहीं करतीं। बता दें कि गछवाहा समुदाय में तरकुलहा देवी को कुलदेवी के रूप में पूजा जाता है। जब समुदाय के सभी पुरुष ताड़ी उतारने का काम करते हैं तो उनकी पत्नियां अपना सारा श्रृंगार देवी के मंदिर में रख देती हैं। बता दें कि कि जिन पेड़ों (ताड़ के पेड़) से ताड़ी उतारी जाती है वे बहुत ही ऊंचे होते हैं और जरा सी भी चूक होने पर इंसान पेड़ से नीचे गिर सकता है और इससे उसकी मौत हो सकती है। इसलिए यहां की महिलाएं कुलदेवी से अपने पति की लंबी उम्र की कामना करती हैं और श्रृंगार को उनके मंदिर में रख देती हैं। इस समुदाय के लोगों का ऐसा मानना है कि महिलाओं द्वारा कुलदेवी को समर्पित किए गए अपने श्रृंगार के सामना से कुलदेवी प्रसन्न हो जाती हैं और उनके पति कई महीनों के काम के बाद सकुशल लौट आते हैं।

धरती की अजीबो-गरीब जगह जहां दिखती है दूसरी दुनिया

आपने कई साइंस फिक्शन फिल्में देखी होंगी जिसमें दूसरी दुनिया के बारे में बताया जाता है। अवतार मूवी इनमें से काफी लोकप्रिय है जिसमें पैंडोरा नाम के एक ग्रह के बारे में बताया गया है। अब यूं तो वो एक काल्पनिक दुनिया है और हकीकत में अभी तक वैज्ञानिकों ने ऐसा कोई ग्रह नहीं खोजा है जहां उन्हें जीवन मिला हो या फिर ऐसी जगह के बारें में पता चला हो पर आपको जानकर हैरानी होगी कि धरती पर ही एक ऐसी जगह मौजूद है जो किसी दूसरे ग्रह जैसी लगती है और यहां पाए जाने वाले पेड़-पौधे, जीव आदि भी एलियन्स से कम नहीं लगते हैं। हम बात कर रहे हैं सोकोत्रा द्वीप की। हिन्द महासागर में मौजूद सोकोत्रा आइलैंड रिपब्लिक ऑफ यमन का हिस्सा है। ये आइलैंड इतना विचित्र है कि यहां आने वाले लोगों को ये दूसरी दुनिया का अनुभव कराता है। एक वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार फिलहाल यहां जाना सेफ नहीं है क्योंकि यहां अक्सर आतंकवादी हमले, धमाके और हिंसा होती रहती है। पर सोकोत्रा द्वीप की तस्वीर देखकर ही आपको ये जगह बेहद विचित्र लगेगी। रिपोर्ट के मुताबिक यहां 700 प्रजाति के पेड़-पौधे और जीव रहते हैं जो पूरी धरती पर और कहीं नहीं पाए जाते। इस द्वीप को अक्सर 'सबसे ज्यादा एलियन जैसी लगने वाली जगह' मानते हैं। इसका सबसे प्रमुख कारण है यहां पाया जाने वाला ड्रैगन्स ब्लड पेड़। आपने अब तक जितने भी पेड़ देखे होंगे, उनकी पत्तियां, डाल, आदि ग्रैविटी की वजह से नीचे की ओर झुके रहते हैं पर इस पेड़ की बात करें तो ये नीचे नहीं ऊपर की ओर घूमे रहते हैं और इन्हें देखकर ऐसा लगता है जैसे ये उल्टे किए हुए छाते हैं। पेड़ के तने से लाल पदार्थ निकलता है जो खून जैसा लगता है। इसी वजह से इसका विचित्र नाम भी पड़ा है। अगर आपको ये पेड़ उतना हैरान नहीं कर रहा है तो यहां कुकंबर ट्री या बॉटल ट्री भी पाए जाते हैं। इनके तने बेहद मोटे होते हैं और उन्हें देखकर आपको लगेगा जैसे उसका ऊपरी हिस्सा बहुत बड़ा और चौड़ा होगा पर ऐसा नहीं है. पेड़ का ऊपरी हिस्सा काफी छोटा और पतला है। यहां पाए जाने वाले जानवरों में चमगादड़ों की संख्या काफी ज्यादा है। इसके अलावा पूरे आइलैंड पर आसानी से नीले रंग की तितलियां देखने को मिल जाती हैं। यहां के समुद्र में डॉल्फिन्स तैरती हुई नजर आ जाती हैं। इसके अलावा आइलैंड पर करीब 50 हजार लोग रहते हैं।

सुक्खू सरकार की कैबिनेट का विस्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। राज्य मंत्रिमंडल का विस्तार करने के चार दिन बाद मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने बुधवार रात करीब साढ़े नौ बजे विभागों का बंटवारा किया। वरिष्ठ मंत्री धनीराम शांडिल को स्वास्थ्य, चंद्र कुमार को कृषि और हर्षवर्धन चौहान को उद्योग विभाग का जिम्मा सौंपा गया है। जगत सिंह नेगी को राजस्व और रोहित ठाकुर को शिक्षा विभाग सौंपा गया है। युवा मंत्री अनिरूद्ध सिंह ग्रामीण विकास और विक्रमादित्य सिंह लोक निर्माण विभाग व खेल विभाग संभालेंगे।

मुख्यमंत्री के पास वित्त, गृह, कार्मिक, योजना, सामान्य प्रशासन सहित मंत्रियों को नहीं दिए गए महकमे रहेंगे। उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री के विभागों में कोई भी बढ़ोतरी नहीं की गई है। इनके पास जल शक्ति , परिवहन और भाषा एवं संस्कृति विभाग ही रहेगा।

प्रशासन विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार मंत्री कर्नल धनीराम शांडिल के पास स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता और श्रम एवं रोजगार विभाग रहेगा। चंद्र कुमार कृषि के साथ पशुपालन विभाग देखेंगे। हर्षवर्धन चौहान उद्योग, संसदीय कार्य और आयुष विभाग का जिम्मा संभालेंगे। जगत सिंह नेगी के पास राजस्व के अलावा बागवानी और जनजातीय विकास विभाग रहेगा।

रोहित ठाकुर उच्च शिक्षा, प्रारंभिक शिक्षा, तकनीकी शिक्षा और वोकेशनल एंड इंडस्ट्रीयल ट्रेनिंग विभाग का जिम्मा संभालेंगे। अनिरूद्ध सिंह के पास ग्रामीण विकास और पंचायती राज तथा विक्रमादित्य सिंह के पास लोक निर्माण विभाग और युवा सेवाएं एवं खेल विभाग रहेगा। मुख्यमंत्री सुक्खू के पास ही पर्यटन, वन, शहरी विकास, नगर एवं नियोजन, सहकारिता, सैनिक कल्याण, सूचना प्रोद्योगिकी, विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी और मत्स्य पालन विभाग रहेंगे।

धनीराम को स्वास्थ्य, चंद्र कुमार को कृषि और हर्षवर्धन को उद्योग जगत सिंह को राजस्व और रोहित को सौंपा गया शिक्षा विभाग

खुद के पास महकमे रख सीपीएस को मजबूत करेंगे सीएम

जिन महकमों का मुख्यमंत्री ने बंटवारा नहीं किया है। उन्हें खुद के साथ अटैच कर मुख्य संसदीय सचिवों को सौंपने की तैयारी है। वन, पर्यटन, शहरी विकास, नगर नियोजन और आईटी जैसे विभाग अभी तक की सरकारों में मंत्रियों को सौंपे जाते रहे हैं। मुख्यमंत्री सुक्खू इन विभागों का जिम्मा अपने पास रख कर मुख्य संसदीय सचिवों की भूमिका को भी मजबूत बना रहे हैं। आने वाले दिनों में मुख्यमंत्री खुद के साथ मुख्य संसदीय सचिवों को अटैच कर इन विभागों का स्वतंत्र प्रभार दे सकते हैं।

संजय अवस्थी के हाथ से छिन गए दो बड़े महकमे

बुधवार दोपहर बाद मुख्यमंत्री सुक्खू ने मुख्यमंत्री संसदीय सचिव संजय अवस्थी को खुद से अटैच बताते हुए उन्हें लोक निर्माण विभाग और स्वास्थ्य विभाग का जिम्मा सौंपा था। देर रात जारी हुए अन्य आदेश में यह दोनों विभाग मुख्यमंत्री ने अन्य मंत्रियों के हवाले कर दिए। ऐसे में अब संजय अवस्थी के पास मुख्यमंत्री की निगरानी में केवल सूचना एवं जनसंपर्क विभाग रह गया है।

सीजेआई ने न्याय-व्यवस्था पर उठाये सवाल

कानूनी पेशा सामंतवादी, यह महिलाओं का स्वागत नहीं करता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ ने कानूनी पेशे में महिलाओं के योगदान को लेकर बड़ी बात कही है। उन्होंने कहा, कानूनी पेशा सामंतवादी हो गया है और यहां महिलाओं का स्वागत नहीं किया जाता है। उन्होंने यह बात हार्वर्ड लॉ स्कूल के ग्लोबल लीडरशिप अवॉर्ड सेरेमनी के दौरान कही। दरअसल, इस अवॉर्ड से सीजेआई चंद्रचूड़ को सम्मानित किया गया है।

इस दौरान सीजेआई ने लॉ स्कूल के निदेशक डेविड बी विल्किंस से बातचीत के दौरान कहा, दुर्भाग्य से, कानूनी पेशा सामंतवादी रहा है और यहां महिलाओं और हाशिए के समुदायों का स्वागत नहीं किया जाता है। सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि उनसे अक्सर पूछा जाता है कि सुप्रीम कोर्ट में महिला जजों की संख्या कम क्यों है? इसका जवाब उस पेशे में है जो तीन दशक पहले था। यानी सुप्रीम कोर्ट में आने वाले जज तीन दशक पहले के पूल से हैं। उन्होंने कानून के क्षेत्र में बदलाव पर कहा, भविष्य में अगर बदलाव लाना है तो कानूनी शिक्षा देने वाले संस्थानों को महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। कानूनी शिक्षा तक पहुंच का लोकतंत्रीकरण करना होगा।

कोहरे का कहर: विमानों, ट्रेनों व बसों का संचालन हुआ प्रभावित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कोहरे के चलते दृश्यता शून्य होने से सुबह जहां अमौसी एयरपोर्ट विमानों की लैंडिंग में मुश्किलें पेश आ रही हैं। वहीं कम दृश्यता के चलते ट्रेनों की स्पीड पचास प्रतिशत तक कम कर दी गई है। इतना ही नहीं कोहरे की वजह से ही रात में चलने वाली 80 बसों को कैंसिल कर दिया गया।

दरअसल, कोहरे के कारण विमानों, ट्रेनों व बसों का संचालन सुधर नहीं पा रहा है। बुधवार को भी अमौसी एयरपोर्ट पर घंटों देरी से विमान पहुंचे, जबकि चारबाग, लखनऊ जंक्शन, गोमतीनगर सहित अन्य रेलवे स्टेशनों पर ट्रेनों से आने वाले यात्रियों को भी असुविधाओं का सामना करना पड़ा।

चौधरी चरण सिंह अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर बुधवार को दिल्ली से लखनऊ आने वाली इंडिगो एयरलाइन की उड़ान 6ई-6232 तथा मुंबई से लखनऊ आने वाली इंडिगो की उड़ान 6ई-5205 कैंसिल कर दी गईं। ऐसे ही इंडिगो की इंदौर से लखनऊ आने वाली फ्लाइट 6ई-7127 सवा दो घंटे देरी से लैंड हो सकी।

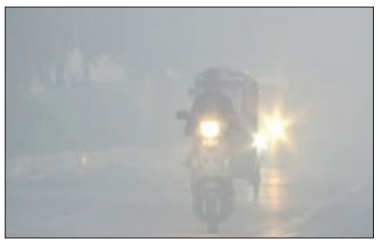

कोहरे में सरकती रहीं ट्रेनें, स्पीड हुई हाफ

जिन मेल-एक्सप्रेस ट्रेनों को सौ से 130 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलाया जाता था, वे कोहरे में महज 60 किमी की रफ्तार पर रेंग रही हैं। वहीं पैसेंजर ट्रेनों को 80-90 की जगह 20-25 किमी की रफ्तार पर चलाया जा रहा है। बुधवार को भटिंडा से गोरखपुर जाने वाली गोरखधाम एक्सप्रेस 13 घंटे देरी से पहुंची।

अमिताभ ठाकुर की शिकायत पर लोकायुक्त के जांच के आदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकायुक्त ने अमिताभ ठाकुर की शिकायत की जांच के आदेश दिए हैं। लोकायुक्त संगठन, उत्तर प्रदेश ने अमिताभ ठाकुर द्वारा लखनऊ जेल में उनके साथ किये गए उत्पीड़न तथा भ्रष्टाचार के संबंध में भेजी गयी शिकायत की जाँच कराये जाने के आदेश दिए हैं।

लोकायुक्त कार्यालय द्वारा प्रमुख सचिव, कारागार को भेजे गए पत्र में कहा गया हुई कि अमिताभ द्वारा प्रस्तुत परिवाद में लगाये गए आरोपों की जाँच हेतु दो-सदस्यीय या तीन-सदस्यीय जाँच समिति के माध्यम से जाँच परिवादी की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए की जाये तथा जाँच आख्या 1 फरवरी 2023 तक उप लोकायुक्त के अवलोकनार्थ भेजी जाये। अमिताभ ने अपनी शिकायत में कहा था कि उन्हें मात्र राजनैतिक कारणों से लखनऊ जेल में कई प्रकार से प्रताड़ित किया गया, जिसके संबंध में उनकी पत्नी डॉ नूतन ठाकुर और उन्होंने कई शिकायतें भेजीं, लेकिन इनका कोई संज्ञान नहीं लिया गया. उन्होंने कहा कि उनके पास इन आरोपों से जुड़े सबूत भी हैं लेकिन किसी स्तर पर इनकी जाँच नहीं की जा रही है। अमिताभ सात माह लखनऊ जेल में थे।

योगी सरकार पर सपा करेगी और तीखे प्रहार

- जनता से जुड़े मुद्दे उठाते रहेंगे अखिलेश
- अपने कार्यकर्ताओं के उत्पीड़न पर भी पार्टी होगी आक्रामक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। टिवट्र मुद्दे पर योगी सरकार के खिलाफ सड़क पर उतरने वाली समाजवादी पार्टी अभी और मुखर होगी। पार्टी सुप्रीमो अखिलेश यादव अब लोक सभा चुनाव होने तक जनता के मुद्दों को लेकर भाजपा सरकार को घेरेने की रणनीति पर काम करेंगे। इसके लिए पार्टी योगी सरकार पर और तीखे प्रहार जारी रखेगी। वहीं पार्टी अपने कार्यकर्ताओं के उत्पीड़न पर भी उनके साथ मजबूती से खड़ी दिखेगी। मैनपुरी लोकसभा व खतौली विधानसभा उपचुनाव में मिली जीत से उत्साहित सपा अपने कार्यकर्ताओं में यह जोश लोकसभा चुनाव तक यूं ही बनाए रखना चाहती है। इसके लिए सपा ने तय किया है कि लोकसभा चुनाव तक पार्टी भाजपा सरकार के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाएगी।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव खुद भी प्रदेश कार्यालय के बजाय फील्ड में ज्यादा नजर आएंगे। इसकी शुरुआत उन्होंने कर दी है। इसी के तहत सपा अध्यक्ष लगातार जिलों में जा रहे हैं।

इसके साथ ही अखिलेश उस छवि को भी तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं जिसमें कहा जाता है कि अखिलेश अपने पिता मुलायम सिंह यादव की तरह कार्यकर्ताओं को उतनी तवज्जो नहीं देते हैं। इसी रणनीति के तहत सपा अध्यक्ष अपने कार्यकर्ताओं के उत्पीड़न के मामले में उनके साथ मजबूती से खड़े नजर आ रहे हैं। रविवार को भी अखिलेश पार्टी के ट्विटर हैंडल संचालक मनीष जगन अग्रवाल की गिरफ्तारी के बाद डीजीपी मुख्यालय पहुंच गए थे। इसके बाद लखनऊ जेल में मिलने भी पहुंचे थे। पार्टी इन सबके जरिए यह संदेश देना चाहती है कि प्रदेश में भाजपा का मुकाबला केवल सपा ही कर सकती है। अखिलेश बीजेपी के खिलाफ सपा के गढ़ को अभेद्य बनाने में लगे हुए हैं। इसकी झलक बीते कुछ दिनों में देखने को मिली है। वो ज्यादा से ज्यादा वक्त लखनऊ के बाहर कार्यकर्ताओं के बीच में दे रहे हैं। सपा प्रमुख खास तौर पर मैनपुरी में जीत के बाद भी सक्रिय दिखे है। दरअसल, इटावा, कनौज, फिरोजाबाद और आजमगढ़ वही सीटें हैं जहां सपा हमेशा जीत दर्ज करती आई है, हालांकि बीते दो चुनाव में इन सभी सीटों पर बीजेपी ने सेंधमारी की है।

योगी सरकार के दावों पर अखिलेश यादव ने उठाए सवाल

पूछा-पहले साइन हुए कितने एमओयू को जमीन पर उतारा

» सपा प्रमुख ने मुलायम सिंह के संस्मरणों से जुड़ा कैलेंडर किया जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने योगी सरकार के प्रदेश में निवेश के दावों पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सरकार को ये भी बताना चाहिए कि पहले निवेश के लिए जो एमओयू साइन हुए थे। उनमें से कितना निवेश जमीन पर उतरा और कितने लोगों को रोजगार मिला। उन्होंने कहा कि ये इंवेस्टर्स समिट केवल चुनाव की तैयारी है। भाजपा की सरकार जनता को धोखा दे रही है। कुछ दिन चमक-दमक दिखेगी जमीन पर कुछ नहीं उतरेगा।

श्री यादव ने ये बाते समाजवादी पार्टी कार्यालय में प्रेस कांफ्रेस में कही। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा की सरकार पुलिस का दुरुपयोग कर रही है। टिवट्र विवाद के बाद प्रेस कांफ्रेंस करने आए श्री यादव ने कहा कि बीजेपी जब लड़ नहीं पाती है तो पुलिस को आगे कर देती है। उन्होंने कहा अभद्र भाषा का प्रयोग उचित नहीं है। पर पलटवार करना जरूरी है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा की सरकार पुलिस का दुरुपयोग कर रही है। अखिलेश यादव ने गुरुवार को युवा दिवस के मौके पर सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव के संघर्षों पर आधारित कैलेंडर का विमोचन किया। उन्होंने कहा कि आज के दिन नेताजी के काम और संघर्ष को याद किया गया। अखिलेश ने कहा कि युवा दिवस पर सभी युवा संकल्प लें कि नफरत की राजनीति खत्म हो क्योंकि तभी तरक्की संभव है।

अखिलेश यादव ने कहा कि गंगा नदी की सफाई के लिए सरकार ने बड़े-बड़े वादे किए थे। गंगा तो साफ नहीं हुई पर इसके लिए आवंटित किया गया हजारों करोड़ साफ हो गया। गंगा की सफाई के लिए नालों को नदी में गिरने से रोकना होगा। हमने गोमती नदी साफ की सरकार ने इसे भी बर्बाद कर दिया। यहां पर नाव लाई गई पर इसे दूसरी जगह भेज दिया गया।

लोगों का विरोध देख दूसरे दिन भी जोशीमठ पहुंचे धामी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। भू-धंसाव के संकट से घिरे जोशीमठ के प्रभावित परिवारों को आश्वस्त करने के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी दूसरी बार ग्राउंड जीरो पर पहुंचे हैं। आज वह नृसिंह मंदिर पहुंचे और यहां पूजा की। भू-धंसाव के संकट का सामना कर रहे जोशीमठ में आदि गुरु शंकराचार्य की गद्दी स्थित नृसिंह मंदिर परिसर में दरारें आ गई हैं। बदरीनाथ धाम के कपाट बंद होने के बाद शंकराचार्य की गद्दी नृसिंह मंदिर में विराजमान रहती है। सीएम आज यहां हालात का जायजा लेने पहुंचे हैं।

नृसिंह मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद सीएम धामी सेना, आईटीबीपी के अधिकारियों के साथ ही प्रशासनिक अधिकारियों, प्रभावितों और पार्टी कार्यकर्ताओं मुलाकात करने के लिए रवाना हुए। इसके बाद सीएम खटीमा जाएंगे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी इससे पहले बुधवार को जोशीमठ रवाना होने से पहले मुख्यमंत्री ने राहत मरहम का एलान किया। आपदा राहत मानकों से बाहर जाकर उन्होंने बाजार दर से नुकसान की भरपाई करने की घोषणा कर प्रभावितों की कुछ हद तक चिंता दूर करने की कोशिश की है।

सभी कार्यक्रमों को स्थगित कर जोशीमठ पहुंचे मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि एक-एक पल की रिपोर्ट लेने आया हूं। मेरी पहली चिंता आज सिर्फ जोशीमठ है। सुबह से कई कार्यक्रम लगे थे। लेकिन उन्हें लगा कि इस संकट की घड़ी में प्रभावित परिवारों के साथ रहना चाहिए। भू-धंसाव से प्रभावित प्रत्येक परिवार को राहत देना सरकार का पहला लक्ष्य है।

सिलिंडर फटने से पूरा परिवार जिंदा जला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पानीपत। पानीपत के गांव बिचपड़ी में आज सुबह सात बजे गली नंबर चार में एक घर में सिलिंडर फट गया। इससे आग लग गई और एक ही परिवार के 6 लोगों की जलने से मौत हो गई। मरने वालों में दंपती समेत उनकी दो बेटी और दो बेटे शामिल हैं।

मृतकों की पहचान अब्दुल करीम (50), उसकी पत्नी अफरोजा (46), बड़ी बेटी इशरत खातुन (17), रेशमा(16), अब्दुल शकूर (10) और अफान (7) के तौर पर हुई है। सभी मृतक उत्तर दिनाजपुर वेस्ट बंगाल के मूल निवासी थे। फिलहाल वे बधावा राम कॉलोनी, केसी चौक, गली नंबर 4 में रह रहे थे। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचा और बचाव कार्य शुरू करवाया।

21 दलों के नेताओं को कांग्रेस का निमंत्रण

» भारत जोड़ो यात्रा के समापन समारोह में शामिल होने का किया आग्रह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राहुल गांधी के नेतृत्व में चल रही भारत जोड़ो यात्रा का समापन समारोह श्रीनगर में 30 जनवरी को होना है, इसी बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बंगाल की सीएम ममता बनर्जी की टीएमसी और नीतीश कुमार की जेडीयू सहित 21 दलों को आमंत्रित किया है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने जम्मू-कश्मीर के पूर्वी सीएम फारूक अब्दुल्ला और उमर अब्दुल्ला की पार्टी नेशनल कांफ्रेंस को बुलाया गया है। साथ ही महबूबा मुफ्ती की पार्टी पीडीपी को भी आमंत्रित किया गया है। इसके अलावा चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी और एसएस पार्टी को भी समापन समारोह में शामिल होने के लिए लेटर लिखा गया है। मल्लिकार्जुन खरगे ने लेटर के जरिए यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव की पार्टी समाजवादी पार्टी, पूर्व मुख्यमंत्री मायावती की बसपा को भी बुलाया है। इसके अलावा तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की पार्टी डीएमके की पार्टी को भारत जोड़ो यात्रा के समापन कार्यक्रम में बुलाया गया है। साथ ही सीपीआई, सीपीएम और हेमंत सोरेन की जेएमएम को बुलाया गया है. इसके अलावा लालू प्रसाद, उनकी पार्टी आरजेडी और बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव को बुलाया गया है। नेताओं में एनसीपी और पार्टी के प्रमुख शरद यादव को भी लेटर के जरिए न्यौता भेजा गया है, खरगे ने लेटर के माध्यम से आरएलएसपी, जीतन राम मांझी एमडीएमके, वीसीके, आईयूएमएल, केएसम और आरएसपी को भी आमंत्रित किया है।

सीएम केजरीवाल को रिकवरी नोटिस पर बिफरे डिप्टी सीएम सिसोदिया, कहा-

शक्तियों का दुरुपयोग कर रहे हैं एलजी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राजनीतिक विज्ञापनों की आड़ में दिल्ली सरकार के खाते से 163 करोड़ रुपये के व्यय पर मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल को सरकारी नोटिस भेजे जाने पर उपमुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने जताई आपत्ति है। उन्होंने प्रेस वार्ता कर एलजी पर शक्तियों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है।

सिसोदिया ने कहा कि अधिकारियों का उपयोग जनता के काम कराने में किया जाना चाहिए, मुख्यमंत्री और मंत्रियों को नोटिस दिलवाले में नहीं। भाजपा की सरकारें भी यही कर रही हैं। लेकिन उन पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है।

सिसोदिया ने कहा, दिल्ली में अफसरों पर असंवैधानिक नियंत्रण का नाजायज इस्तेमाल देखिए- बीजेपी ने दिल्ली सरकार की सूचना विभाग सचिव ऐलिस वाज से नोटिस दिलवाया है कि वर्ष 2017 से दिल्ली से बाहर राज्यों में दिये गए विज्ञापनों का खर्चा मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से वसूला जाएगा। उन्होंने यह बातें एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कही है।

उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा, दिल्ली के अखबारों में बीजेपी के तमाम राज्यों के मुख्यमंत्रियों के विज्ञापन छपते हैं, पूरी दिल्ली में इनके सीएम के फोटो वाले सरकारी होर्डिंग लगे हैं। क्या इनका खर्चा बीजेपी मुख्यमंत्रियों से वसूला जाएगा? क्या बीजेपी इसीलिए दिल्ली के अफसरों पर असंवैधानिक कब्जा करके रखना चाहती है? जिस तरह से केजरीवाल ने शिक्षा-स्वास्थ्य, बिजली-पानी पर काम किया है, वैसे ही साफ-सफाई पर काम होना है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।